



# GYAN KENDRA

DONE, NOKHA, ROHTAS

## VIII - G.K. SYLLABUS

APRIL:

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, उद्देश्य एवं अंगों का परिचय।  
समसामयिकी (नौवल कोरोना वायरस का लक्षण, उपाय, बचाव आदि।  
लाकडाउन, सौशल डिस्टेंसिंग, मास्क आदि की समझ।

MAY : अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएँ, विश्व के प्रमुख दिवस एवं वर्ष।

समसामयिकी : वायरस से होने वाले रोग, स्क्रीनिंग आदि।

JUNE :- निम्न में अंतर बतायें:

(a) आक्सीकरण (oxidation) तथा अवकरण (Reduction)

(b) द्रव्यमान एवं भार (c) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन

(c) अम्ल तथा क्षार (h) उष्मा तथा तापमान

(d) इलेक्ट्रान तथा प्रोटॉन (i) DNA तथा RNA

(e) परमाणु तथा अणु (j) खनिज तथा अयस्क

(f) कोहरा, धुंध तथा बादल \* समसामयिकी

JULY:

कार्य पद्धति पर आधारित कम्प्यूटर का परिचय।

समसामयिकी →

AUGUST: विश्व के प्रमुख समाचार सजेशियों के परिचय, भारतीय समाचार सजैसी, भारत के नागरिक एवं उड्डयन, विश्व के प्रमुख लेखक एवं उनकी रचनाएँ।

\* समसामयिकी

SEPTEMBER: विश्व के सरकारी दस्तावेज, विश्व के राष्ट्रीय प्रतीक एवं स्वतंत्रता दिवस, विश्व में प्रथम, विश्व के कुछ देशों एवं नगरों के बदलते हुए नाम।

\* समसामयिकी

## संयुक्त राष्ट्र संघ (UNITED NATION ORGANISATION)

परिचय :- संयुक्त राष्ट्र संघ एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जो विश्व में शांति स्थापना, समस्याओं का समाधान एवं अन्य उपयोगी कार्यों हेतु प्रयासरत रहता है।

स्थापना :- 24 अक्टूबर, 1945

मुख्यालय :- न्यूयॉर्क (संयुक्त राज्य अमेरिका)

सर्वप्रमुख पदाधिकारी :- संयुक्त राष्ट्र के महासचिव रॉटोनियो गुटेरस (इटली)

प्रश्न :- संयुक्त राष्ट्र संघ क्यों बना ? वर्णन करें।

उत्तर :- प्रथम विश्व युद्ध में व्यापक जन-धन की हानि हुई। इस आपदा से निपटने के लीग ऑफ नेशंस (राष्ट्रों का संगठन) की स्थापना हुई लेकिन अगले द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने में असफल हुआ।

अब लीग ऑफ नेशंस से शक्तिशाली संगठन बनाने की आवश्यकता हुई। इस कार्य हेतु पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट, रूस के राष्ट्रपति स्टालिन और इंग्लैंड के प्रधानमंत्री विस्म-चर्चिल आदि ने मिलकर एक प्रभावशाली संस्था बनाने का निश्चय किया।

अक्टूबर 1944 में इसकी रूप रेखाएं तैयार की। 25 अप्रैल 1945 को 51 देशों ने मिलकर एक चार्टर (संविधान) बनाया। 26 जून 1945 को सभी देशों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किया और इस संस्था का नाम संयुक्त राष्ट्र संघ नाम रखा। 24 अक्टूबर 1945 को इस संस्था का निर्माण हुआ जिसकी प्रथम बैठक लंदन के वेस्ट मिनस्टर भवन में हुई।

संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य →

संयुक्त राष्ट्र संघ के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :-

- (i) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना ।
- (ii) राष्ट्रों के बीच सम्मान, अधिकार और आत्मनिर्णय के आधार पर मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा सहयोग का विकास करना ।
- (iii) आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने के लिए मानव अधिकारों और मौलिक स्वाधिनता के प्रति सम्मान की भावना बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर मिलकर कार्य करना तथा सहयोग प्राप्त करना ।
- (iv) ऊपर लिखे गये सभी उद्देश्यों को प्राप्ति हेतु सभी देशों की सहोपता का केन्द्र बनना ।

संयुक्त राष्ट्र संघ के दस प्रमुख अंग हैं :-

- (i) महासभा (General Assembly): यह अंग (भाग) संयुक्त राष्ट्र का व्यवस्थापिका है । इसमें सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं लेकिन एक देश से अधिकतम 5 सदस्य होते हैं जिनका मत केवल एक होता है । इसकी बैठक प्रायः सितम्बर माह में होता है । आपात स्थिति में इसकी बैठक कभी भी हो सकती है । यह संस्था सुरक्षा परिषद के सलाह पर शांति स्थापना, निःशस्त्रीकरण, आर्थिक विकास, परमाणु शक्ति का शांतिपूर्ण उपयोग, सामाजिक पद्धति, मानव अधिकार आदि के लिए प्रयास करती है । यह समितियों के माध्यम से अपना कार्य करती है ।

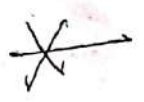
(ii) सुरक्षा परिषद (SECURITY COUNCIL) :-

यह संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्यपालिका है । इसमें 15 सदस्य होते हैं जिसमें 5 स्थायी तथा 10 अस्थायी ।

ग्रांतिपूर्ण उपयोग सामाजिक चतुर्ति  
 सुरक्षा परिषद् मानव अधिकार उन्नति  
 के लिए प्रयास करती है यह  
 अपने कामों को समितियों के  
 माध्यम से कार्य करती है।

२. सुरक्षा परिषद् Security Council यह  
 संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्यपालिका  
 है इसमें 15 सदस्य होते हैं - 5 स्थायी  
 एवं 10 अस्थायी पांच स्थायी सदस्य  
 देश अमेरिका, रूस, चीन, इंग्लैंड और  
 फ्रांस हैं 10 अस्थायी सदस्य देश  
 दो वर्ष के लिए चुने जाते हैं इसका  
 मुख्य कार्य अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और  
 शांति बनाए रखना है।

Veto (वीटो) - 5  
 सुरक्षा परिषद् के पांच स्थायी देशों  
 को वीटो का अधिकार प्राप्त है।  
 Veto (नबेता) मतों को अधिकार प्राप्त  
 है किन्तु प्रस्ताव का प्रसंग सहमती  
 के लिए नहीं वीटो की आवश्यकता  
 होती है जिसमें पांचों अस्थायी  
 देशों की सहमती आवश्यक है।  
 यदि एक सदस्य भी वीटो  
 अर्थात् असहमती प्रस्ताव को  
 है तो वह विषय पर निरस्त



की दी जाती है।

आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्त

Economic and Social Council :- यह संस्था विश्व के गरीब, निरक्षर, विमार तथा असहाय लोगों की सहयोग करके स्थायी रूप से विश्व में क्रांती स्थापित करना है। अभी इसके 54 सदस्य हैं जिनका चुनाव सुरक्षा परिषद के सलाह पर महासभा द्वारा तीन वर्ष के लिए चुने जाते हैं। इसके इसमें पहले 97 सदस्य होते हैं।

इसकी बैठक साल में तीन बार होती है। यह अपना कार्य आयोगों, विशेष समितियों तथा विशेष संस्थाओं के माध्यम से यह पूरा करती है जैसे - आर्थिक और रोजगार आयोग, संयुक्त राष्ट्र बालसंरक्षक कोष (UNICEF)

### United Nations International Children's Emergency Fund

4. प्रवास परिवर्त (Trusteeship Council) :- इस संगठन में 14 सदस्य होते हैं जिनमें 7 प्रवासनिक 7 अप्रवासनिक सदस्य होते हैं। यह संगठन उन देशों के लिए काम करता है जो सदस्य देशों के द्वारा खोपी जाती है यह संगठन



उस देश के लोगों की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक उन्नति को विकसित करना होता है।

जैसे - नामिबिया (अफ्रीकी देश) को 1990 में स्वतंत्रता दिलाकर संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बनाया गया।

5. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (International Court of Justice): - यह संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ की न्यायपालिका है। इसका मुख्यालय है (नीदरलैंड) में है। इसमें 15 न्यायाधीश होते हैं जिसका चुनाव महासभा तथा सुरक्षा परिषद मिलकर करती है जिनकी नियुक्ति प्रेसिडेंट के लिए होती है जिसमें 16 पांच न्यायाधीश उपाध्यक्ष के बाद Retiree होते हैं। न्यायाधीश एक देश नहीं हो सकते हैं इसका कार्य किसी समझौते का अर्थ बनाना, सीमा विवाद सुझाना महासभा या सुरक्षा परिषद के सलाह देना आदि हैं। इसका निर्णय सभी सदस्य देशों को मानना पड़ता है।

6. सचिवालय :- (Secretariat) : यह संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ के लिए संबंधित का कार्य करती है। इस संस्था के सर्वोच्च अधिकारी को महासचिव कहते हैं। इनका नाम संतो नियो सुतेरसा (इटली) इनकी नियुक्ति सुरक्षा परिषद के संकल्प पर महासभा करती है। इनका कार्य प्रकाल 5 वर्ष का होता है। इस अधिकारी का काम विद्व पांती को स्वतंत्र उत्पन्न करने वाले विषयों सुरक्षा परिषद का ध्यान दिलाना होता है। इसके आठ विभाग हैं।

- 1) सुरक्षा परिषद संबंधी कार्य
- 2) आर्थिक
- 3) सामाजिक
- 4) न्याय
- 5) सार्वजनिक सूचना
- 6) सम्मेलन तथा सामान्य सेवा
- 7) प्रशासनिक तथा वित्तीय सेवा
- 8) विद्य विभाग

# \* अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएँ \*

Page No.:

Date:

(i) इयूरेंड रेखा  $\Rightarrow$  यह सीमा रेखा 1893

में ~~भारत~~ ~~और~~ भारत और

अफगानिस्तान के बीच सीमा रेखा के रूप में निर्धारित किया गया था।

आजादी के बाद यह सीमा रेखा

पाकिस्तान और अफगानिस्तान

के बीच हो गई इस सीमा रेखा

को अफगानिस्तान स्वीकार नहीं करता

है। इसका पूरा नाम सर हेनरी

मोर्तिमर इयूरेंड के द्वारा 1893

(ii) मैकमोहन रेखा  $\Rightarrow$  यह सीमा रेखा भारत और

चीन के बीच है जिसका निर्धारण

सर हेनरी मैकमोहन ने 1914 किया था

यह सीमा 100 मील लंबी है जो

लद्दाख, कुमायूं, गढ़वाल, सिक्किम और

अरुणाचल प्रदेश की उत्तरी दिशा से

गुजरती है जिसे साम्रवादी चीन

स्वीकार नहीं करता है। उससे अलग

1962 में भारत पर हमला

करके भारत और अरुणाचल प्रदेश

की 14,500 वर्ग मील भूमि हड़प

ली।

(iii) रेडक्लिफ रेखा  $\Rightarrow$  यह सीमा रेखा

भारत और पाकिस्तान के बीच है

जिसका निर्धारण सर रेडक्लिफ द्वारा





1947 में भारत पाकिस्तान के समय  
तय की गई थी

iv. > 24 वीं अक्षांश रेखा > यह सीमा रेखा भारत और पाकिस्तान के बीच है जो गुजरात के पास (कच्छ के रण) के पास गुजरती होकर 24 वीं अक्षांश रेखा से होकर गुजरती है, जिसे भारत अस्वीकार करता है

~~मैजी नोर्त रेखा > यह सीमा रेखा जर्मनी और फ्रांस के बीच है फ्रांस जर्मनी की आक्रमण से बचने के लिए इसी सीमा रेखा का उपाय किया है~~

~~सीमा रेखा > यह सीमा रेखा जर्मनी और फ्रांस के बीच है जर्मनी फ्रांस के आक्रमण से बचने के लिए इसी सीमा रेखा के पास अपना प्रबंध किया है~~

आइरलैंड रेखा > यह सीमा रेखा यूरोप जर्मनी और पोर्तुगल के बीच है जिसका निर्धारण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तय किया गया था

1

मेजरहीम रेखा  $\Rightarrow$  यह सीमा रेखा रूस और फिनलैंड के बीच है। इसका निर्धारण जनरल मेजरहीम ने किया था।

38 वीं अक्षांश रेखा  $\Rightarrow$  यह सीमा रेखा उत्तरी कोरिया और दक्षिणी कोरिया के बीच है जिसका निर्धारण 1950 में किया गया जब उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर आक्रमण कर दिया तो संयुक्त राष्ट्र संघ की सेना ने इसी 38 वीं अक्षांश रेखा के पास अर्थात् उत्तर विद्यतनाम तक पहुँचा दिया था।

### अंतर्राष्ट्रीय दिवस एवं वर्ष

1. > आर्मी मेडिकल कोर स्थापना दिवस  $\Rightarrow$  1 जनवरी
2. > राष्ट्रीय युवा दिवस  $\Rightarrow$  12 जनवरी
3. > धनसेना दिवस  $\Rightarrow$  15 जनवरी
4. > सुभाषचंद्र बोस जन्म दिवस  $\Rightarrow$  23 जनवरी
5. > गणतंत्र दिवस  $\Rightarrow$  26 जनवरी
6. > ब्राह्मिद दिवस  $\Rightarrow$  30 जनवरी
7. > वंदे - रक्षा दिवस  $\Rightarrow$  1 फरवरी
8. > दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस  $\Rightarrow$  6 फरवरी
9. > उत्पादकता दिवस  $\Rightarrow$  12 फरवरी
10. > सेंट वलेंटाइन दिवस  $\Rightarrow$  14 फरवरी
11. > केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस  $\Rightarrow$  24 "

\*

- 12. > राष्ट्रीय विज्ञान दिवस => 28 फरवरी
- 13. > अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस => 8 मार्च
- 14. > राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस => 4 मार्च
- 15. > विपुव विकलांग दिवस => मार्च का तीसरा रविवार
- 16. > विपुव उपभोक्ता संरक्षण दिवस => 15 मार्च
- 17. > विपुव पानिकी दिवस => 18 मार्च
- 18. > विपुव मौसम विज्ञान दिवस => 23 मार्च
- 19. > विपुव थियेटर दिवस => 27 मार्च
- 20. > राजस्थान दिवस => 30 मार्च
- 21. > नेशनल मेरीटाइम दिवस => 5 अप्रैल
- 22. > विपुव स्वास्थ्य दिवस => 7 अप्रैल
- 23. > जापानियांवाला बाल हत्याकांड दिवस => 13 अप्रैल
- 24. > विपुव विशास दिवस => 18 अप्रैल
- 25. > विपुव पृथ्वी दिवस => 22 अप्रैल
- 26. > मजदूर दिवस => 1 मई
- 27. > अंतर्राष्ट्रीय उर्जा दिवस => 3 मई
- 28. > राष्ट्रीय एकता दिवस => 13 मई
- 29. > विपुव दूर-संचार दिवस => 17 मई
- 30. > आतंकवाद विरोध दिवस => 21 मई
- 31. > कॉमन वेल्थ दिवस => 24 मई
- 32. > विपुव पर्यावरण दिवस => 5 जून
- 33. > अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस => 21 जून
- 34. > नक्षत्रीय दवाओं के दुरुप्रयोग और तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस => 26 जून
- 35. > डेवटर्स दिवस => 1 जुलाई
- 36. > विपुव जनसंरक्षण दिवस => 11 जुलाई

i. > ऑक्सीकरण एवं अपचयन

यह रासायनिक प्रतिक्रिया जिसमें हाइड्रोजन अलग होती है। इलेक्ट्रॉन अलग होते हैं तथा विद्युत धनात्मक अवस्था का अनुपात बढ़ता है। जैसे - Zn

इस रासायनिक प्रतिक्रिया में हाइड्रोजन का संयोग होता है और ऑक्सीजन अलग होते हैं। इलेक्ट्रॉन संयुक्त होते हैं विद्युत धनात्मक अवस्था का अनुपात बढ़ता है। जैसे -  $2KClO_3 + MnO_2$   
 गर्म करने पर  $\rightarrow 2KCl + 3O_2 + MnO_2$

\* द्रव्यमान और भार

किसी वस्तु में जो पदार्थ की मात्रा होती है उसे उस वस्तु का द्रव्यमान कहते हैं। किसी वस्तु का द्रव्यमान कहीं भी ले जाने पर अपरिवर्तित रहता है।

किसी वस्तु का भार पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण होता है। पृथ्वी जिस बल से किसी वस्तु को अपने केन्द्र की ओर आकर्षित करती है उसे गुरुत्वाकर्षण बल कहते हैं। इसी बल का कारण किसी भी वस्तु का भार निम्नलिखित स्थानों पर

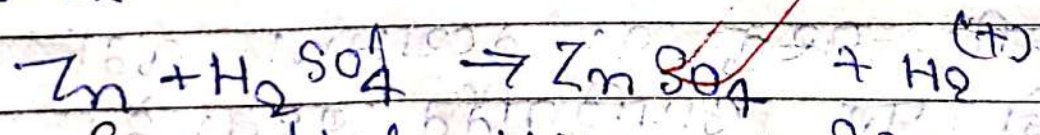
अलग होता है

उष्मा तथा तापमान (Heat and temperature)

उष्मा एक प्रकार की उर्जा है जिससे उसकी मात्रा का आमास होता है जो कॅलोरी में मापी जाती है।

तापमान उष्मा की तीव्रता को बतलाता है जिस थर्मामीटर द्वारा मापी जाती है इसकी इकाई Degree होती है।

\* अम्ल तथा क्षार (Acid and Alkali) : अम्ल ऐसे यौगिक होते हैं जो धातु के बलाने पर  $H^+$  (हाइड्रोजन आयन) देते हैं और जिले लिटमस पत्र को लाल कर देते हैं धातुओं से प्रतिक्रिया करके हाइड्रोजन उत्पन्न करते हैं।



Ex: - HCl, HNO<sub>3</sub>, H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub>

हाइड्रोक्लोरिक अम्ल, नाइट्रिक अम्ल, सल्फ्यूरिक अम्ल \*

क्षार ऐसे यौगिक होते हैं जो धातु के बलाने पर हाइड्रॉक्साइड आयन (OH<sup>-</sup>) देते हैं यह लिटमस पत्र को नीला कर देते हैं।

Ex - साबुन, जल, प्लास्टर ऑफ पेरिस

1'  
\* भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन (Physical and Chemical Change) - भौतिक परिवर्तन

में किसी वस्तु के भौतिक अवस्था अर्थात् ली० - जों० आदि में परिवर्तन होता है इसे पूर्व की अवस्था में लाया जा सकता है।  
Ex- बर्फ से पानी

मिट्टी से कचरी ईत बनाना \*

रासायनिक परिवर्तन वह परिवर्तन है जो आपस में मिलकर नए पदार्थों का निर्माण करता है। इसे पूर्व की अवस्था में नहीं लाया जा सकता।

Ex: - लकड़ी का जलना

\* इलेक्ट्रॉन और प्रोटॉन (Electron and Proton)

इलेक्ट्रॉन परमाणु का अनिवार्य अंग है जिस पर कोई भी परमाण्विक विद्युत आवेश होता है। इसका द्रव्यमान हाइड्रोजन के परमाणु के द्रव्यमान के  $\frac{1}{1837}$  भाग के बराबर होता है।

प्रोटॉन की परमाणु का अनिवार्य अंग है जो केन्द्र में अवस्थित होता है। इस पर कोई परमाण्विक विद्युत आवेश होता है। इसका द्रव्यमान हाइड्रोजन के परमाणु के द्रव्यमान के बराबर होता है।



\* परमाणु तथा अणु Atom and Molecules:  
 किसी तत्व का होता है से होता कण जो रासायनिक क्रिया में भाग ले सके लेकिन स्वतंत्र रूप से नहीं ठहर सके उसे परमाणु कहलाते हैं।  
 किसी तत्व या यौगिक का वह सूक्ष्म कण जो रासायनिक क्रिया में भाग नहीं लेता है। लेकिन स्वतंत्र रूप से ठहर सके उसे अणु कहते हैं।

\* कोहरा, धुंध और बादल (Mist, fog and Cloud): — सृष्टि में वाष्पीकरण होने के बाद शीतमान होता है। ऊपर की ओर उठती है। और जहाँ वायुमंडल कम होती है वहाँ यह वाष्प धनीभूत होकर यह बादल का रूप लेती है। जब वाष्प वायुमंडल में उपस्थित धूल-कण के ऊपर धनीभूत होती है और कोहरा का रूप ले लेती है।  
 पृथ्वी के निचले हिस्से पर धनीभूत होती है जिससे धुंध का रूप ले लेती है।  
 अरब-वर्ष के हिस्से देती है ये धुंध कहलाता है।



खनिज तथा अथस्क (Minerals and ores) सामान्य रूप से धातुओं से युक्त अवस्था में पाई जाती हैं। धातुओं के ये सब यौगिक पृथ्वी में अणुद्वियों के रूप में मिलते हैं जिसे खनिज कहते हैं।

कुछ खनिजों से धातुओं को आसानी से खनिजों से निकाला जा सकता है जिसे अथस्क कहते हैं।  
Ex: - वा. साइरा से लोहा निकाला जाता है।

\* डी.एन.ए. और आर.एन.ए. से (DNA and RNA) डी.एन.ए. अधिक प्राचीन जीवधारियों में मुख्य आनुवंशिक पदार्थ होते हैं जो प्रायः द्विसंरचनात्मक होते हैं।

आर.एन.ए. केवल कुछ विषाणुओं में ही आनुवंशिक पदार्थ की तरह कार्य करता है जो प्रायः एकसंरचनात्मक होते हैं।

- कंप्यूटर (Computer)
- C ⇒ Commonly
  - O ⇒ Operator
  - M ⇒ Machine
  - P ⇒ Particular
  - U ⇒ User
  - T ⇒ Trade
  - E ⇒ Education
  - R ⇒ Research



E ⇒ Education

R ⇒ Research

Q. कम्प्यूटर क्या है?  
कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति अंग्रेजी के  
Compute शब्द से बनी है जिसका अर्थ  
है गणना करना। इसे इंग्लिश में  
अभिकलिब्र या संगणक कहते हैं। यह  
एक इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर है जिसमें  
सूचनाओं को चुम्बकीय रूप पर भरी  
जाती है। फिर सूचनाओं को विश्लेषण  
करके इसी प्रकार Result प्रस्तुत  
किया जाता है।

\* कम्प्यूटर का इतिहास :- इसके आविष्कारक  
अंग्रेज वैज्ञानिक चार्ल्स बैबेज 1833 में  
प्रस्तुत किया। इसमें मुख्यतः इनपुट, मेमोरी  
मिल आउटपुट एवं कंट्रोल युनिटें थी।

कार्यप्रणाली के आधार पर कम्प्यूटर के 5 प्रकार  
हैं :-

1) अंकीय कम्प्यूटर (Digital Computer) :-  
इस कम्प्यूटर में सभी सुविधाओं  
द्विआधारी (बाइनरी) प्रणाली के आधार  
पर अपना कार्य करते हैं। यह  
सभी प्रकार की गणनाओं को गिन

\*  
कर करता है। यह प्रति संकेत करे दो  
गणनाएं बहुत कुछ तरीके से कर सकता  
है इसके प्रमुख लक्षण निम्न हैं।

- i.) घात - प्रतिघात कुदृता एवं यथायथा
- ii.) सर्वोन्मुखता एवं व्यापकता
- iii.) छोटा आकार एवं कम कीमत

ii.) अनुरूप कंप्यूटर (Analogue Computer) :-

Analogue एक ग्रीक शब्द है जिसका  
अर्थ होता है दो राशियों में अनुरूपता  
रखना। इसमें भौतिक विधि या राशि को  
इलेक्ट्रॉनिक परिपथों की सहायता से विद्युत  
संकेतों में बदली जाती है यह अपना कार्य  
मापकर या नापकर करता है इससे 99%  
सुचनाएं कुदृ प्राप्त की जाती हैं।

iii.) संकर कंप्यूटर (Hybrid Computer) :- इस  
कंप्यूटर में दोनों का विशेषताओं का  
उपयोग किया जाता है। इससे स्वचालित  
यंत्रों में बिना उपयोग किया जाता है।  
यह एक सहायक कंप्यूटर है जो मुख्य  
यंत्र में दिखाकर लगाया जाता है। इसका  
उपयोग रोबर्ट एवं अन्य उपग्रह आदि में  
किया जाता है।

iv) प्रकाशीय कंप्यूटर (Optical Computer):  
 यह कंप्यूटर पांचवीं पीढ़ी के विकास में सहायक है। इसमें तार के स्थान पर ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग किया जाता है। एवं प्रकाशीय प्रवृत्ति पर बनाए जाते हैं। इसमें विद्युत प्रवाह की गति आकार किमी / सेकंड होती है।

v) Atomic Computer (परमाण्विक कंप्यूटर):  
 इस कंप्यूटर में प्रोटीन परमाणुओं को सूक्ष्म विद्युत परिपथ में बदलकर इसकी क्षमता को अधिक बढ़ाया जाता है। इस तरह के कंप्यूटर आज के कंप्यूटर से 10 गुनी अधिक क्षमता रखता है। इसमें प्रयुक्त प्रोटीन परमाणु का नाम डेक्टीरियो हाइड्रोजन है। इसमें 10 हजार प्रोग्राम (जो) के बराबर जानकारी को संग्रहित करता है। यह 10 माइक्रो प्रति सेकंड की क्षमता से कार्य करता है।

भारतीय

\*  
-----

1. प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (Press Trust of India - PTI)

1 FEB 1976

2. युनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (United News of India → UTI - उट्टी (शुक्र))

3. इंडियन न्यूज सर्विस (Indian News Service INS)

4. इंडियन न्यूज एंड फीचर्स एलायंस (Indian News and Features Alliance - INFA)

5. समाचार भारती

6. हिंदुस्तान समाचार

7. भाषा

विदेशी समाचार एजेंसी

\* \*  
-----

1. रयूटर्स (Reuters) → ब्रिटेन

2. एजेंसी फ्रांस प्रेस → फ्रांस

3. न्यूज न्यूचारना न्यूज एजेंसी → चीन

4. अंतरा → इंडोनेशिया

5. तस (Tass) → रूस